विश्व रिकॉर्डः प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित हुआ पांचवां दीपोत्सव कार्यक्रम, राम की पैड़ी पर बिखरीअनोखी छटा

अयोध्या 12 लाख दीयों से जगमगाई

अयोध्या | **कमलाकांत सुंदरम्**

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित पंचम दीपोत्सव मेले के मुख्य पर्व पर बुधवार को अयोध्या लगभग 12 लाख दीयों से जगमगा उठी। इनमें से रामपैड़ी पर एक साथ नौ लाख से अधिक दीप जलाने का नया विश्व रिकार्ड बना। इस नये कीर्तिमान की घोषणा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के प्रेक्षक ने की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रमाणपत्र सौंपने के साथ उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी ने उत्साहित जनसमूह को दीपोत्सव की श्रृंखला में हर परिवार में दीये जलाने व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को आगे बढ़ाने का वचन लिया।

ड्रोन कैमरे से गणनाः इससे पहले शासन के निर्देश पर अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने रामपैड़ी के 32 घाटों पर नौ लाख दीये बिछाने के बजाय उनकी संख्या बढ़ाकर 11 लाख कर दी। जबकि एक दिन पहले सभी घाटों पर निर्धारित संख्या में दीए लगाने की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी थी। फिर भी मुख्य पर्व पर सुबह से अलग-अलग घाटों पर अतिरिक्त दीये दोबारा लगाए गये।सभी बिछाए गये दीयों में दोपहर से तेल डालकर बाती लगाने का काम शुरु हुआ। यह कार्य अपराह्न चार बजे तक लगभग पूरा हो गया। पुनः गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम के सदस्यों ने अलग-अलग घाटों पर सजाए दीयों की गणना ड्रोन कैमरे से कराई। इसके बाद प्रेक्षक के संकेत के बाद दीयों को जलाने की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई।

दीयों को जलाने के निर्धारित समय के बाद ड्रोन कैमरे से फिर गणना की गयी। बताया गया कि गणना के वास्तविक आंकड़ा मिलने में समय लगेगा। फिलहाल नौ लाख से अधिक दीयों की ऑनलाइन गणना हो जाने के बाद सार्वजनिक घोषणा कर दी गयी।

> अद्भुत अयोध्या पेज 15

अयोध्या में बुधवार को आयोजित दीपोत्सव में दीयों की रोशनी से जगमगाती राम की पैड़ी

09 लाख दीयों का राम की पैड़ी पर बना रिकॉर्ड

06 लाख छह हजार दीये जलाए गए थे पिछले साल

साल दर साल सर्वाधिक दीये जलाने का नया विश्व रिकार्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कार्यकाल के पहले साल से दीपोत्सव का शुभारम्भ करा दिया था। वर्ष 2017 में एक लाख 87 हजार दो सौ दीयों का रिकार्ड कायम हुआ। पुनः वर्ष 2018 में तीन लाख 11 हजार चार व वर्ष 2019 में चार लाख चार हजार व वर्ष 2020 में छह लाख छह हजार दीयों को जलाने का नवीन रिकार्ड कायम किया गया था।

> “पांच वर्ष पहले उत्तर प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन नहीं होता था। प्रदेश में भाजपा की सरकार के सत्ता में आने के बाद इस दीपोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की गई। अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। मंदिर निर्माण सहित से सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे होंगे।
>
> –योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

जिम्मा

शासन के निर्देश पर दीपोत्सव के पहले साल से ही रामपैड़ी पर दीयों को लगाने व उन्हें जलाने का जिम्मा डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को सौंपा गया था। तब से हर साल अवध विश्वविद्यालय ही इस कार्यक्रम का संयोजन कर रहा है। इस मद में शासन ने बजट निर्धारित कर दिया है।

जद्दोजहद

इस बार दीपोत्सव के लिए अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक करोड़ 24 लाख टेंडर दीया-बाती-मोमबत्ती व तेल समेत अन्य सामग्रियों को समाहित कर निकाला था। इसके एवज में पर्यटन विभाग ने एक करोड़ की राशि प्रथम किस्त के रूप में विश्वविद्यालय को प्रदान की थी।

जज्बा

कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह के मार्गदर्शन में आवासीय परिसर सहित विभिन्न महाविद्यालय के 12 हजार छात्र-छात्राओं के अलावा प्राध्यापक व कर्मचारी गण लगाए गये थे। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने दीपोत्सव में नया विश्व रिकॉर्ड बनने पर इसके सहयोग के लिए सभी को बधाई दी।

भव्य आयोजन

51 हजार दीये रामजन्मभूमि परिसर में जलाए गए

11 बजे सुबह डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने शोभा यात्रा रवाना की

12 हजार स्वयंसेवकों के समूह ने कार्यक्रम को सफल बनाया